

Teachers Acquainted with Programs of New Zealand for Differently Abled

An online workshop was organized inviting International faculty on Supported Independent Living for Adults with Intellectual Disability. The purpose of the workshop was to give first hand information to the teaching staff of GRIID school about various services being provided overseas to persons with disabilities.

Mr Jatinder Singh , Senior Co-ordinator at Department of Youth and Adults Team, CCS Disability Action at Auckland, New Zealand and Mr Daniel Maseege , Service Manager at CCS Disability Action, Auckland, New Zealand were the invited speakers. Mr Jatinder spoke about the support provided by Government in assisting the independent living of Persons with Disabilities. He said persons with disabilities must have a right of choice which implies the right to choose what they want to wear, what to study , whom to work with etc. The goal is to provide quality of life.

Mr Daniel explained that an individual support plan includes goals, time frame, reviewing of goals, and updating them from time to time, their likes, dislikes, abilities etc. It acts as a guide. He added that supported independent living services are not a one day or one man's task. It is achievable through collaborative team work.

Dr Priti Arun , Joint Director , GRIID highlighted the relevance of conducting the workshop. Mrs Vandana Singh, Research Assistant, GRIID special school , proposed vote of thanks. Mr Jaspal Sharma, Administrative Officer GRIID was also present. Teachers - Mr Ravinder Singh , Ms Shagun, Ms Alpana and Ms Kamaljit - were the co-ordinators of the workshop.



Dr Priti Arun , Joint Director , GRIID, Ms Vandana, Mr Jaspal and GRIID school teaching staff in the workshop

डिसएबल्ड के पास पसंद का अधिकार हो: जतिंदर

चंडीगढ़। इंटरलेक्चुअल डिसेबिलिटी वाले एडल्ट्स के लिए सपोर्टेड इंडिपेंडेंट लिविंग पर ग्रिड में एक वर्कशॉप आयोजित की गई जिसमें इंटरनेशनल फैकल्टी को बुलाया गया। वर्कशॉप का मकसद विदेशों में डिसेबल्ड व्यक्तियों को दी जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में ग्रिड के टीचर्स को फर्स्ट हैंड जानकारी देना था। डिपार्टमेंट ऑफ यूथ एंड एडल्ट टीम, सीसीएस डिसेबिलिटी एक्शन ऐट ऑकलैंड के को-ऑर्डिनेटर जतिंदर सिंह और यहीं पर सर्विस मैनेजर डेनियल मसीज को इसपर बोलने के लिए बुलाया गया था। जतिंदर ने कहा कि डिसेबल्ड के पास पसंद का अधिकार होना चाहिए जिसका मतलब है कि वे पहनना चाहते हैं, क्या पढ़ना चाहते हैं आदि।

News Appeared in Dainik Bhaskar

न्यूजीलैंड में बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रमों से रूबरू हुए विशेष शिक्षक

दिव्यांग जगत @ चंडीगढ़

राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान (जी आर आई आई डी), सेक्टर 31, चंडीगढ़ के द्वारा आज बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए सपोर्टेड इंडिपेंडेंट लिविंग पर एक ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य इस संस्थान के शैक्षिक कर्मियों को बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए विदेशों में प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी देना था।

इस कार्यशाला में सीसीएस डिसेबिलिटी एक्शन, युवा और व्यस्क टीम विभाग, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड के वरीय समन्वयक श्री जितेंद्र सिंह और सेवा प्रबंधक श्री डेनियल मशीज रिसोर्स पर्सन थे।

श्री जतिंदर ने बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के आत्मनिर्भरता में सहायता के लिए न्यूजीलैंड के सरकार के द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के बारे में बताया और उन्होंने समुदाय आधारित

पुनर्वास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को

लक्ष्य, समय सीमा, लक्ष्यों की समीक्षा करना और उन्हें समय-

डॉ प्रीति अरुण ने इस कार्यशाला के संचालन की प्रासंगिकता पर प्रकाश



को भी पसंद का अधिकार होना चाहिए। अर्थात, वे क्या पहनना चाहते हैं, क्या पढ़ना चाहते हैं और किसके साथ काम करना चाहते हैं इत्यादि का निर्णय लेने का इन्हें भी हक है और हमारा लक्ष्य इनके जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाना है।

श्री डेनियल ने बताया कि बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए एक व्यक्तिगत सहायता योजना में

समय पर अद्यतन करना, उनकी पसंद नापसंद क्षमता इत्यादि शामिल है, जोकि एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि समर्थित आत्मनिर्भर जीवन सेवाएं एक दिन या एक व्यक्ति का काम नहीं है। यह सहयोगी टीम वर्क के माध्यम से कार्य किया जा सकता है।

इस संस्थान के संयुक्त निदेशक

डाला और आयोजन टीम को बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में अनुसंधान सहायक वंदना सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किए।

इस कार्यक्रम में संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी डॉ जसपाल शर्मा भी उपस्थित थे। श्री रविंद्र सिंह, सुश्री शगुन, सुश्री अल्पना और सुश्री कमलजीत इस कार्यशाला के समन्वयक थे।

News Appeared in Divyang Jagat